
Inhalt.

Gedichte.

| | |
|---|----|
| Auf die Einweihung des Tempels der Loge zur wahren Eintracht | 3 |
| Joseph der Zweyte | 7 |
| Auf Joseph den Zweyten | 13 |
| An Joseph den Zweyten | 17 |
| Am Tage Joseph des Zweyten | 21 |
| Ordenspflichten der Maureritter | 23 |
| Maurertugend | 29 |
| Auf die Liebe | 33 |
| Gesundheit auf unsere Schwestern | 39 |
| Gesundheit auf unsere Schwestern | 42 |
| Gesundheit auf unsere Schwestern | 47 |
| Gesundheit auf unsere Schwestern | 54 |
| Gesundheit auf die Verlobung eines Bruders | 60 |
| Gesundheit auf unsere Schwestern | 62 |
| An unsere Schwestern | 65 |
| Empfindungen als Br. J. v. S***s der Loge einverleibt ward | 71 |
| Andenken auf die Abreise des Br. J. G. S***r | 74 |

Lieder.

| | |
|--|-----|
| Bey Eröffnung der Lehrlingsloge | 79 |
| Zum Schlusse der Lehrlingsloge | 81 |
| Bey Eröffnung der Gefellenloge | 83 |
| Zum Schlusse der Gefellenloge | 85 |
| Bey Eröffnung der Meisterloge | 87 |
| Gegenstück zu vorstehendem Liede | 89 |
| Zum Schlusse der Meisterloge | 91 |
| Bey Eröffnung der Tafelloge | 93 |
| Tafellied | 95 |
| Zum Schlusse der Tafelloge | 97 |
| Kettenlied | 99 |
| Kettenlied | 101 |
| An die Rosennäherin | 103 |
| | 105 |
| | 107 |
| | 109 |
| | 111 |
| | 113 |
| | 115 |
| | 117 |
| | 119 |
| | 121 |
| | 123 |
| | 125 |
| | 127 |
| | 129 |
| | 131 |
| | 133 |
| | 135 |
| | 137 |
| | 139 |
| | 141 |
| | 143 |
| | 145 |
| | 147 |
| | 149 |
| | 151 |
| | 153 |
| | 155 |
| | 157 |
| | 159 |
| | 161 |
| | 163 |
| | 165 |
| | 167 |
| | 169 |
| | 171 |
| | 173 |
| | 175 |
| | 177 |
| | 179 |
| | 181 |
| | 183 |
| | 185 |
| | 187 |
| | 189 |
| | 191 |
| | 193 |
| | 195 |
| | 197 |
| | 199 |
| | 201 |
| | 203 |
| | 205 |
| | 207 |
| | 209 |
| | 211 |
| | 213 |
| | 215 |
| | 217 |
| | 219 |
| | 221 |
| | 223 |
| | 225 |
| | 227 |
| | 229 |
| | 231 |
| | 233 |
| | 235 |
| | 237 |
| | 239 |
| | 241 |
| | 243 |
| | 245 |
| | 247 |
| | 249 |
| | 251 |
| | 253 |
| | 255 |
| | 257 |
| | 259 |
| | 261 |
| | 263 |
| | 265 |
| | 267 |
| | 269 |
| | 271 |
| | 273 |
| | 275 |
| | 277 |
| | 279 |
| | 281 |
| | 283 |
| | 285 |
| | 287 |
| | 289 |
| | 291 |
| | 293 |
| | 295 |
| | 297 |
| | 299 |
| | 301 |
| | 303 |
| | 305 |
| | 307 |
| | 309 |
| | 311 |
| | 313 |
| | 315 |
| | 317 |
| | 319 |
| | 321 |
| | 323 |
| | 325 |
| | 327 |
| | 329 |
| | 331 |
| | 333 |
| | 335 |
| | 337 |
| | 339 |
| | 341 |
| | 343 |
| | 345 |
| | 347 |
| | 349 |
| | 351 |
| | 353 |
| | 355 |
| | 357 |
| | 359 |
| | 361 |
| | 363 |
| | 365 |
| | 367 |
| | 369 |
| | 371 |
| | 373 |
| | 375 |
| | 377 |
| | 379 |
| | 381 |
| | 383 |
| | 385 |
| | 387 |
| | 389 |
| | 391 |
| | 393 |
| | 395 |
| | 397 |
| | 399 |
| | 401 |
| | 403 |
| | 405 |
| | 407 |
| | 409 |
| | 411 |
| | 413 |
| | 415 |
| | 417 |
| | 419 |
| | 421 |
| | 423 |
| | 425 |
| | 427 |
| | 429 |
| | 431 |
| | 433 |
| | 435 |
| | 437 |
| | 439 |
| | 441 |
| | 443 |
| | 445 |
| | 447 |
| | 449 |
| | 451 |
| | 453 |
| | 455 |
| | 457 |
| | 459 |
| | 461 |
| | 463 |
| | 465 |
| | 467 |
| | 469 |
| | 471 |
| | 473 |
| | 475 |
| | 477 |
| | 479 |
| | 481 |
| | 483 |
| | 485 |
| | 487 |
| | 489 |
| | 491 |
| | 493 |
| | 495 |
| | 497 |
| | 499 |
| | 501 |
| | 503 |
| | 505 |
| | 507 |
| | 509 |
| | 511 |
| | 513 |
| | 515 |
| | 517 |
| | 519 |
| | 521 |
| | 523 |
| | 525 |
| | 527 |
| | 529 |
| | 531 |
| | 533 |
| | 535 |
| | 537 |
| | |